भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न सं. †1270
सोमवार, 11 दिसम्बर, 2023/20 अग्रहायण, 1945 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

एसडीएस 2.0 के अंतर्गत केरल द्वारा सुझाई गई प्राथमिकता वाली परियोजनाएं

†1270. एडवोकेट डीन कुरियाकोस:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार के पास स्वदेश दर्शन 2.0 के अंतर्गत केरल की सरकार द्वारा सुझाई गई प्राथमिकता वाली परियोजनाओं का ब्यौरा उपलब्ध है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या केरल राज्य की इन परियोजनाओं को क्रियान्वित करते हुए इदुक्की की परियोजना को प्राथमिकता परियोजना के रूप में स्वीकृति नहीं दी गई है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;

(ङ) क्या इदुक्की केरल की परियोजनाओं को स्वदेश दर्शन 2.0 के अंतर्गत शामिल किया जा सकता है; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (च): पर्यटन मंत्रालय (एमओटी) ने पर्यटक और गंतव्य केन्द्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए स्थायी और जिम्मेदार पर्यटक स्थलों के विकास के उद्देश्य से अपनी स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) के रूप में परिवर्तित किया है। एसडी 2.0 योजना के दिशा-निर्देशों के अनुसार राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों द्वारा प्रमुख पर्यटक आकर्षणों, पेशकशों, संपर्कता, वर्तमान पर्यटन इको सिस्टम, राज्य सहायता आदि जैसी विशिष्टताओं के आधार पर विभिन्न गंतव्यों की पर्यटन क्षमता का विश्लेषण करते हुए एक राज्य परिप्रेक्ष्य योजना (एसपीपी) तैयार की जाती है और पर्यटन मंत्रालय संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन के परामर्श से निर्धारित कार्य-पद्धति के अनुसार योजना के तहत विकास के लिए गंतव्यों का चयन करता है। तदनुसार पर्यटन मंत्रालय ने 'कुमारकोम' और 'कोझिकोड (वाइपोर)' को विकास के लिए गंतव्य के रूप में अधिसूचित किया है।

स्वदेश दर्शन योजना के तहत पर्यटन मंत्रालय ने वर्ष 2015-16 में 64.08 करोड़ रु. की संशोधित लागत से 'पतनमतिट्टा-गावी-वागामोन- तेक्कड़ी का विकास' नाकम एक परियोजना को स्वीकृति दी थी जिसमें इडुक्की में 3.94 करोड़ रु. की स्वीकृत राशि से पर्यटन संबंधी घटकों का विकास शामिल है। राज्य सरकार ने इस परियोजना के भौतिक रूप से पूर्ण होने की सूचना दी है।

****